State Council of Educational
Research & Training,
Chhattisgarh

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्,छत्तीसगढ़,
शंकर नगर, रायपुर

Telephone-0771-2443596 Fax-0771-2443496 Website: www.scert.cg.gov.in Email:scertcg@gmail.com

क्रमांक / परिषद् / SCERT/ODL/ 2019 / 294 रायपुर, दिनांक 23.01.2019

प्रति,

समस्त अध्ययन केन्द्र

दूरस्थ शिक्षा–SCERTCG-NIOS

PDPET for B.Ed. Teachers (ब्रिज कोर्स) पाठ्यक्रम

विषयः–SCERTCG-NIOS द्वारा संचालित PDPET (ब्रिज कोर्स) पाठ्यक्रम में 526–कार्यशाला आधारित गतिविधि (WBA) एवं 527–शिक्षण अभ्यास (PT) हेतु 10 दिवस सम्पर्क कक्षाएं (Contact Program) आयोजित करने बाबत।

———000———

SCERTCG-NIOS द्वारा दूरस्थ माध्यम से PDPET for B.Ed. Teachers (ब्रिज कोर्स) पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। PDPET (ब्रिज कोर्स) पाठ्यक्रम में 526–कार्यशाला आधारित गतिविधि (WBA) एवं 527–शिक्षण अभ्यास (PT) हेतु 10 दिवस सम्पर्क कक्षाएं (Personal Contact Program)का आयोजन किया जाना है।

संपर्क कक्षाओं के संचालन हेतु दिशा निर्देश –

1. PDPET (ब्रिज कोर्स) पाठ्यक्रम में केन्द्र प्रभारी, डाटा ऑपरेटर, प्यून के अतिरिक्त 526–कार्यशाला आधारित गतिविधि (WBA) में प्रतिदिवस केवल दो स्रोत व्यक्तियों के मानदेय का प्रावधान किया गया है। वरिष्ठ स्रोत व्यक्ति (SRP) 10 दिवस, स्रोत व्यक्ति–01 04 दिवस, स्रोत व्यक्ति–02 03 दिवस, स्रोत व्यक्ति–03 03 दिवस के लिये नियुक्त होंगे।
2. अध्ययन केन्द्र प्रभारी पर्यवेक्षक (Supervisor) एवं वरिष्ठ स्रोत व्यक्ति / स्रोत व्यक्ति मेंटर (Mentor) के रूप में असाइनमेंट का मूल्यांकन भी करेंगे।
3. 10 संपर्क कक्षाओं का आयोजन निम्नानुसार आयोजित किया जायेगा :–

क्र.	दिनांक	क्र.	दिनांक
1.	27 जनवरी, 2019	6.	16 फरवरी, 2019
2.	02 फरवरी, 2019	7.	17 फरवरी, 2019
3.	03 फरवरी, 2019	8.	19 फरवरी, 2019
4.	09 फरवरी, 2019	9.	23 फरवरी, 2019
5.	10 फरवरी, 2019	10.	24 फरवरी, 2019

4. संपर्क कक्षाओं की तिथियों में स्थानीय परिस्थितियों / लोक सभा निर्वाचन प्रशिक्षण के अनुसार दूरस्थ अध्ययन केन्द्र प्रभारी तिथियों में परिवर्तन कर सकते हैं, परिवर्तन की स्थिति में सूचना संबंधित प्रशिक्षार्थियों, संबंधित प्राचार्य डाइट एवं क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान रायपुर का देवें।
5. स्थानीय परिस्थियों के अनुसार यदि सम्भव हो तो सम्पर्क कक्षायें लगातार 10 दिवस संचालित की जा सकती है।
6. संपर्क कक्षाओं की अध्ययन सामग्री http://dledbr.nios.ac.in तथा http://scert.cg.gov.in में इलेक्ट्रानिक माध्यम में उपलब्ध है इसका उपयोग किया जाना है।

7. संपर्क कक्षाओं की समय–सारणी अध्ययन केन्द्र स्तर पर ही निर्धारित किया जाना है। इस हेतु राज्य स्तर से समय–सारणी उपलब्ध नहीं करायी जायेगी।
8. प्रशिक्षार्थियों को स्वयं पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षार्थियों से स्वयं पोर्टल पर उपयोग किए गए मोबाइल नम्बर एवं ई–मेल एड्रेस उपस्थिति पंजी में अंकित करें ।
9. सभी प्रशिक्षार्थियों को सूचित हो कि स्वयंप्रभा डी.टी.एच. के चैनल क्रमांक 32 पर 24 x 7 विडियो लेक्चर का प्रसारण किया जा रहा है।
10. प्रत्येक प्रशिक्षु शिक्षक से चार विषयों में से प्रत्येक में 4 पाठों (कुल 16 पाठों का) का शिक्षण अभ्यास (PT) देना अपेक्षित होगा। विषय हैं – भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक विज्ञान। शिक्षण अभ्यास (PT) पूर्ण होने के उपरांत 16 पाठ–योजना अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होगा जिसे परीक्षण उपरांत वापस कर दिया जायेगा ।
11. 527–शिक्षण अभ्यास (PT) प्रशिक्षार्थियों के कार्यरत विद्यालय में संपादित होगा एवं शिक्षण अभ्यास (PT) का मूल्यांकन विद्यालय के संस्था प्रमुख एवं अध्ययन केन्द्र प्रभारी के द्वारा किया जायेगा । आवेदन के समय दिये गये यू–डाइस कोड में परिवर्तन संभव है। प्रशिक्षु शिक्षक केवल किसी भी विद्यालय में कार्यरत होना चाहिए।
12. 527–शिक्षण अभ्यास (PT) के अंक संबंधित विद्यालयों से दिनांक 16/02/2019 तक अध्ययन केन्द्र में जमा करने हेतु अध्ययन केन्द्र प्रभारी, प्रशिक्षार्थियों के माध्यम से सूचित करें एवं 526–कार्यशाला आधारित गतिविधि (WBA) के सभी असाइनमेंट दिनांक 19 फरवरी, 2019 तक जमा करायें एवं शीघ्र मूल्यांकन कर लें ।
13. असाइनमेंट अंग्रेजी माध्यम वाले प्रशिक्षार्थी अंग्रेजी में एवं हिन्दी माध्यम वाले प्रशिक्षार्थी हिन्दी में, हस्तलिखित सादे कागज (लाईन वाली अथवा कोरे) में जमा करेंगे।
14. समस्त प्रशिक्षार्थियों को संपर्क कक्षा में प्रथम दिवस स्पष्ट निर्देश दें, कि 526–कार्यशाला आधारित गतिविधि (WBA) के सभी 10 संपर्क कक्षाओं में से 10 दिवस की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

संलग्नः उपरोक्तानुसार

(डॉ. सुनीता जैन)
अतिरिक्त संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छत्तीसगढ़

पृ. क्रमांक/परिषद्/SCERT/ODL/ 2019/295 रायपुर, दिनांक 23.01.2019

प्रतिलिपि –

1. अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान, नई दिल्ली।
2. सचिव, छ.ग. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, रायपुर।
3. संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, रायपुर को सूचनार्थ।
4. प्रबंध संचालक, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, रायपुर को सूचनार्थ।
5. समस्त कलेक्टर को सूचनार्थ।
6. क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान, रायपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
7. डी.पी.सी.सी., पश्चिम क्षेत्र , नोएडा
8. प्राचार्य, डाइट ..... को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
9. जिला शिक्षा अधिकारी ..... को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

अतिरिक्त संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छत्तीसगढ़

526 – कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)

कार्यशाला आधरित गतिविधियों के दौरान विविध प्रकार की गतिविधियों को समाविष्ट करता हैः–

526 – कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (Workshop Based Activity)

स.क्र.	विवरण	अंक	अभ्युक्ति
01	किन्ही दो विषयों में संकल्पना मानचित्रणः भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक विज्ञान (Concept Mapping in four Subjects- Language, Maths, EVS, Sc/S.Sc.)	4x10=40	
02	कला का अभिनय, शारीरिक एवं स्वास्थ्य तथा कार्य शिक्षा (Acting on Art, Physical & Health and Work Education)	1x10=10	
03	सेमीनार प्रस्तुतीकरण (Seminar Presentation)	1x20=20	प्रपत्र संलग्न है
04	सहयोगी पाठ अवलोकन (Observation of Peer Lesson Plan)	1x10=10	
05	मूल्यांकन प्रक्रिया में भागीदारी (Participation on Process Evaluation)	1x20=20	प्रपत्र संलग्न है
	कुल अंक	**100**	

कार्यशाला आधरित गतिविधियों का मूल्यांकन अध्ययन केन्द्र के पर्यवेक्षक (Supervisor) एवं मेंटर (Mentor) करेंगे।

527 – शिक्षण अभ्यास (PT)

प्रशिक्षु अध्यापक से चार विषयों में से प्रत्येक में 04 पाठों (03 सामान्य पाठ एवं 01 अंतिम पाठ) कुल 16 पाठों का शिक्षण अभ्यास देना अपेक्षित होगा। विषय हैं – भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक विज्ञान

प्रशिक्षु शिक्षक का शिक्षण अभ्यास प्रशिक्षु शिक्षक के कार्यरत विद्यालय में संपादित होगा एवं मूल्यांकन विद्यालय के संस्था प्रमुख एवं अध्ययन केन्द्र प्रभारी के द्वारा किया जायेगा ।
आवेदन के समय दिये गये यू–डाइस कोड में परिवर्तन संभव है। प्रशिक्षु शिक्षक केवल किसी भी विद्यालय में कार्यरत होना चाहिए ।

शिक्षण अभ्यास का मूल्यांकन निम्नलिखित मूल्यांकन कसौटियों पर किया जायेगाः–

527 – शिक्षण अभ्यास (Practice Teaching) – कुल 16 पाठ–योजना

स. क्र.	विवरण	संस्था प्रमुख के द्वारा	अध्ययन केन्द्र प्रभारी के द्वारा	अभ्युक्ति
01	पाठ–योजना (Lesson planning)	16	24	
02	विषय सामग्री में सामर्थ्य (Subject Matter Competence)	12	18	
03	शिक्षक द्वारा दिशा निर्देश (Teacher's Guidance)	12	18	
04	पाठ और इसके प्रबंधन में विद्यार्थियों की भागीदारी (Pupil Participation in the lesson& its Management)	12	18	
05	विद्यार्थियों का मूल्यांकन (Pupil Evaluation)	8	12	
06	विद्यालय के प्रधान एवं अध्ययन केन्द्र प्रभारी के द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया का मूल्यांकन। (Evaluation of Practice Teaching process by Head of the school/ Center Co-ordinator)	20	30	
	कुल अंक	**80**	**120**	

कुल अंक 200

527 – शिक्षण अभ्यास (Practice Teaching) – Marksheet

प्रशिक्षु शिक्षक का नाम : .....
रिफरेंस क्रमांक : .....
नामांकन क्रमांक : .....
अध्ययन केन्द्र का कोड : .....
अध्ययन केन्द्र का नाम : .....
प्रशिक्षु शिक्षक के वर्तमान विद्यालय का नाम : .....
वर्तमान विद्यालय का यू–डाइस कोड : .....

527 – शिक्षण अभ्यास (PT) – कुल 16 पाठ–योजना

स. क्र.	विवरण	संस्था प्रमुख के द्वारा	प्राप्तांक	अध्ययन केन्द्र प्रभारी के द्वारा	प्राप्तांक	अभ्युक्ति
01	पाठ–योजना (Lesson planning)	16		24		
02	विषय सामग्री में सामर्थ्य (Subject matter competence)	12		18		
03	शिक्षक द्वारा दिशा निर्देश (Teacher's guidance)	12		18		
04	पाठ और इसके प्रबंधन में विद्यार्थियों की भागीदारी (Pupil participation in the lesson& its management)	12		18		
05	विद्यार्थियों का मूल्यांकन (Pupil Evaluation)	8		12		
06	विद्यालय के प्रधान द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया का मूल्यांकन। (Evaluation of Practice Teaching process by Head of the school)	20		30		
	कुल अंक	**80**		**120**		

कुल अंक 200
कुल प्राप्तांक .....

अध्ययन केन्द्र प्रभारी के हस्ताक्षर **संस्था प्रमुख के सील सहित हस्ताक्षर**

यह अंक पत्र सीलबन्द लिफाफे में प्रशिक्षु शिक्षक के कार्यरत विद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र में उचित माध्यम से दिनांक 16/02/2019 तक अनिवार्य रूप से जमा कराया जायेगा।

वर्तमान यू–डाइस कोड को अंकित किया जाना है, आवेदन के समय दिये गये यू–डाइस कोड में परिवर्तन संभव है। प्रशिक्षु शिक्षक केवल किसी भी विद्यालय में कार्यरत होना चाहिए ।

(ii) 526–कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ

कार्यशाला, सुसाध्यीकरण के लिए तकनीकियों और संकेतों को मूलभूत परिचय प्रदान करती है तथा शिक्षण और अधिगम के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण के लिए उपयोगी है। कार्यशाला में आपको संसाधन व्यक्ति, समूह के साथियों तथा अन्य व्यक्तियों के साथ आमने-सामने परस्पर क्रिया करने का अवसर प्राप्त होता है। इससे आपको एक शिक्षक के रूप में अपने कार्यों से संबंधित, अपने विचारों का आदार-प्रदान करने, मुद्दों को उठाने, किसी विषय-वस्तु या समस्या पर चर्चा करने का एक प्लेटफार्म भी प्राप्त होता है। कार्यशाला का आयोजन अध्ययन केंद्र पर किया जाता है। कार्यशाला की अवधि छः माह में 10 दिनों की होती है। स्थानीय आवश्यकता के आधार पर लचीलेपन के लिए अवसर प्रदान करने हेतु कार्यशाला की अनुसूची को बनाया जाता है।

कक्षा में संसाधन उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के दिशा निर्देशन में विशेष रूप से शिक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित दक्षताओं को ग्रहण करने और उनका अभ्यास करने में कार्यशाला आपकी सहायता करती है। निर्धारित कार्यशाला में ऐसे क्रियाकलापों को शामिल किया जाता है जिसमें आपके सक्रिय योगदान की आवश्यकता होती है और एक अध्यापक के रूप में आपके प्रभाव में बढ़ोत्तरी करें।

कार्यशाला आधारित गतिविधियों (WBA) के लिए छः माह में 60 अध्ययन घंटे (2 श्रेय अंक) निर्धारित हैं।

इस पाठ्यक्रम हेतु नामांकित प्रत्येक विद्यार्थी–शिक्षक को दस दिवसीय कार्यशाला आधारित गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य है।

dk;Z'kkyk vk/kkfjr xfrfof/k;k¡ % सेवारत शिक्षकों के लिए कार्यक्रम में 6 महीने के दौरान 6 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने की योजना होती है। कार्यशाला की क्रियाविधियाँ 6 महीने के कार्यक्रम में कुल 100 अंकों का अधिभार रखती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

• भाषाओं (अंग्रेजी / हिंदी), गणित, पर्यावरण विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में संकल्पना मानचित्रण	– 40 अंक
• कला का अभिनय, शारीरिक एवं स्वास्थ्य तथा कार्य शिक्षा	– 10 अंक
• सेमिनार प्रस्तुति	– 20 अंक
• सहयोगी पाठ अवलोकन	– 10 अंक
• प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी	– 20 अंक
संपूर्ण अंक –	100 अंक

ukV% dN xfrfof/k;k d fy, ik:i@jfVx Ldy ugh fn, x, gA lk/ku lwph dk eY;kdu grq midj.kk dk fodfIr dju dh NV gA

क्रियान्वयन

अध्ययन केंद्र का समन्वयक कार्यशाला को कार्यशाला समन्वयक के रूप में NIOS द्वारा जारी की गयी सूची के अनुसार चलायेगा। इस अनुसूची में कार्यशाला को चलाने से संबंधित आवश्यक विवरण दिये जाते हैं। कार्यशाला से संबंधित सभी क्रियाकलाप तीन अवस्थाओं (पूर्व-कार्यशाला, कार्यशाला के दौरान, कार्यशाला के बाद) में, दक्षताओं पर आधारित विभिन्न कोर्सों को विकसित करने के उद्देश्यों के साथ सम्पन्न कराये जायेंगे। जिनकी संक्षेप में नीचे चर्चा की गयी है।

पी.डी.पी.ई.टी कार्यक्रम के दौरान कार्यशाला आधारित गतिविधियों को पश्चात् आप सक्षम हो सकेंगे-

- भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियों एवं उपागमों का उपयोग करना।
- विभिन्न उपागमों वाले एकल ग्रेड एव बहु ग्रेड से संदर्भित पाठ योजना का निर्माण करना।
- विषय आधारित मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना।
- अध्ययन के सामाजिक-आर्थिक एवं वातावरणीय बिंदुओं पर भ्रमण का आयोजन करना।
- गणित की पाठ्यपुस्तक का वास्तविक जीवन से संबंधित समस्याओं के आधार पर विश्लेषण करना।
- विद्यालय में गणित-प्रयोगशाला का निर्माण करना।
- अधिगम को उदीपित करने के लिए विभिन्न प्रकार की विषय आधारित शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण करना।
- विभिन्न विषय आधारित शिक्षण अधिगम सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन करना।
- विशिष्ट विषय क्षेत्रों पर आधारित अवधारणा मानचित्र का विकास करना।
- विभिन्न विषय आधारित प्रश्न पत्रों का विश्लेषण करना।
- एक विशिष्ट कक्षा के लिए विद्यार्थी के प्रदर्शन का विश्लेषण करना।
- विभिन्न विषय आधारित मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो तैयार करना।
- विभिन्न प्रकार के विकलांग बच्चों की पहचान करना।
- पाठ से संबंधित डायरी/नोट बुक का विश्लेषण करना।
- विद्यालय में पुस्तकालय से संबंधित क्रियाकलाप करना।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन करना।
- विद्यालय में कला, कार्य, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा से संबंधित क्रियाकलाप करना।
- विद्यालय और समुदाय से संबंधितों के साथ काम करने वालों के लिए अप्रमापीकृत तकनीकी उपकरणों (कम से कम दो) का निर्माण करना।
- प्रभावकारी वार्षिक क्रियाकलाप कैलेंडर और विद्यालय समय सारिणी तैयार करना।

(iii) 527- शिक्षण अभ्यास

शिक्षण व्यवसाय के प्रति सही दृष्टिकोण का विकास करना और शिक्षण अभ्यास के माध्यम से समुचित स्तर तक आपको शिक्षण कौशलों को ग्रहण करने के योग्य बनाना ही पी.डी.पी.ई.टी. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। शिक्षण अभ्यास के मुख्य घटक इस प्रकार है–

(i) एक अच्छी पाठ योजना लिखने की प्रविधि जानना और

(ii) पाठ को पाठ योजना के अनुसार प्रभावशाली ढंग से कक्षा में प्रस्तुत करने के कौशल को अर्जित करना।

वास्तव में, ये दोनों घटक शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया और निपुणता दोनों के लिए बहुत आवश्यक है और इनके सही उपयोग से आप एक सफल अध्यापक बन सकते हैं। लगातार एवं ईमानदारी से अभ्यास करने से आप उन्हें एक संभावित परिमाण तक अर्जित कर सकते हैं। शिक्षण अभ्यास कार्य को शिक्षण व्यवसाय के लिए नींव के पत्थर की तरह से समझा जाता है। ये (शिक्षण अभ्यास 16) आप जैसे शिक्षक-प्रशिक्षु को एक संतोषजनक स्तर के शिक्षण कौशल को अर्जित करने, सुधार करने और निपुण होने का विस्तृत अवसर प्रदान करते हैं। व्यवसाय के लिए प्यार, दृढ़ इच्छा शक्ति और अनुकूल प्रयास निश्चित रूप से आपको बहुत अच्छा परिणाम देंगे। एक कहावत है ''अभ्यास ही मानव को निपुण बनाता है।'' इसका तात्पर्य यह है कि यदि शिक्षण अभ्यास अपनी इच्छा से, संकल्प के साथ, और अविराम परिश्रम के साथ किया जायेगा तो निपुणता अवश्य प्राप्त होगी।

पूरे शिक्षण अभ्यास कार्य में 2 क्रेडिट अंक है जो आपके कार्य स्थान में 60 कालांश के बराबर है।

शिक्षण अभ्यास हेतु 2 क्रेडिट अंक निर्धारित हैं। एक प्रशिक्षु शिक्षक को चार विषयों (भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन विज्ञान/सामाजिक विज्ञान) में से प्रत्येक विषय से 4 शिक्षण अभ्यास पूर्ण आवश्यक है। इस कार्य हेतू शिक्षक प्रशिक्षु को एक परामर्शदाता तथा एक पर्यवेक्षक (संबंधित विद्यालय से वरिष्ठ शिक्षक) नियुक्त किया जाएगा।

शिक्षण अभ्यास कार्यकलाप से जुड़े हुए घटक

शिक्षण का कार्य विभिन्न घटकों के साथ संबद्ध होता है और विभिन्न घटकों के द्वारा नियंत्रित होता है। इनमें से कुछ की नीचे चर्चा की गयी है, जिनकी शिक्षण अभ्यास कार्य में आवश्यकता होती है। एक शिक्षक-प्रशिक्षु के रूप में आपको इन कार्यकलापों जानने की और इनके अनुसार कार्य करने की आवश्यकता है।

शिक्षण-सिद्धांत एवं अभ्यास

एक प्रभावशाली शिक्षक बनने के लिए आपको सतत अभ्यास, एक सीमा तक सैद्धांतिक ज्ञान, और सत्रांत परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना आवश्यक है तथा विद्यालय आधारित गतिविधियों एवं शिक्षण अभ्यास में यंत्रवत शामिल होना एक अच्छा अध्यापक बनने में आपकी सहायता नहीं करेगा। अभ्यास के द्वारा प्राप्त किये गये अनुभवों और अपनी क्षमताओं व कमियों को उजागर करके आप सैद्धांतिक ज्ञान में निपुण बन सकते हैं। आपको,

शिक्षण अभ्यास हेतु 2 निर्धारित हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को चारों विषयों (भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन एवं विज्ञान/सामाजिक विज्ञान) में से प्रत्येक विषय में 4 शिक्षण अभ्यास पूर्ण करने हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक हेतु एक परामर्शदाता नियुक्त किया जाएगा जोकि विद्यार्थी शिक्षक के कार्य कर रहे विद्यालय का ही वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिका होगा। पर्यवेक्षक बाह्य विशेषज्ञ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक को कुल 16 पाठ (प्रत्येक विषय से 4 पाठ) तैयार करने होंगे तथा उन्हीं पाठों का शिक्षण अभ्यास करना होगा।

इनमें से 12 सामान्य पाठ तथा 4 अन्तिम पाठ होंगे। सामान्य पाठों के लिए 120 अंक तथा अन्तिम पाठों हेतु 80 अंक निर्धारित हैं। शिक्षण अभ्यास (कुल 16 पाठ) हेतु कुल अधिभार 200 है।

सामान्य पाठः कुल 12 सामान्य पाठों में से 8 पाठ प्रति विद्यार्थी शिक्षक (प्रत्येक विषय से दो अर्थात 2 × 4 = 8 पाठ) परामार्शदाता द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे तथा शेष 4 पाठ (प्रत्येक विषय से एक पाठ अर्थात 1 × 4 = 4 पाठ) पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ हेतु 10 अंक तथा कुल 120 अंक निर्धारित हैं।

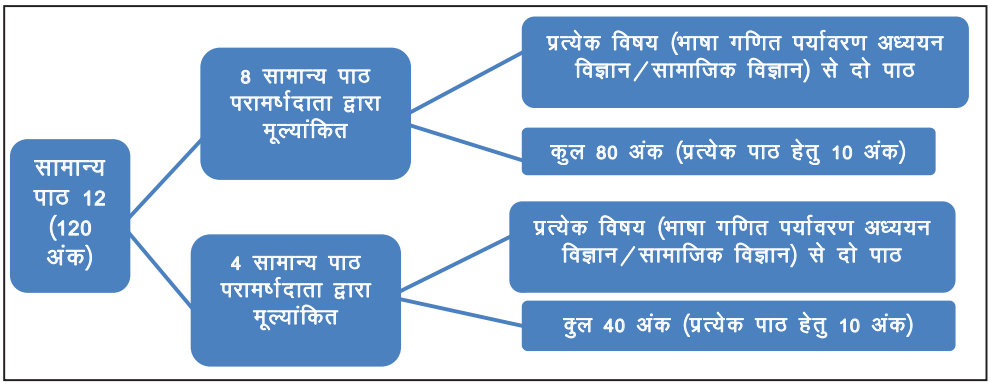

अन्तिम पाठ : कुल 4 अन्तिम पाठ (प्रत्येक विषय, भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक विज्ञान से एक पाठ)

प्रत्येक पाठ हेतु 20 अंक निर्धारित है। इस प्रकार अन्तिम पाठ हेतु कुल 80 (20x4) अंक निर्धारित हैं। सभी अन्तिम पाठ/चर्चा पाठ केवल पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जायेंगे।

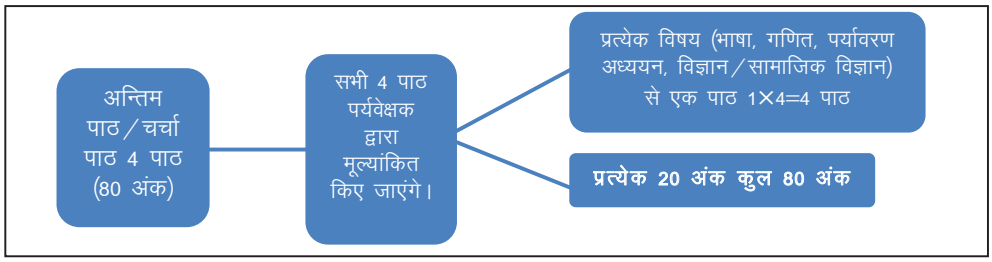

परामर्शदाता/पर्यवेक्षक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आप अधिगम उद्देश्यों को बनाने और शिक्षण बिंदुओं की पहचान करने के योग्य हैं जिनको कि शिक्षण प्रदान करने के दौरान विभिन्न प्रकार के अधिगम अनुभवों से प्राप्त किया जाता है। जब आप अधिगम उद्देश्यों का वर्णन करते हैं तब आपको कुछ क्रियाशील क्रियाओं जैसे–बनाना, प्रयोग, बताना, वर्णन करना, चर्चा करना, व्याख्या करना, अंतर करना, तुलना करना, परिभाषित करना, प्रदर्शन करना, दिखाना आदि का उपयोग कीजिए और कुछ इस प्रकार की क्रियाओं जैसे जानना, समझना, प्रशंसा करना आदि का उपयोग करने से बचें।

शिक्षक प्रशिक्षु का मूल्यांकन परामर्शदाता तथा पर्यवेक्षक द्वारा निम्नलिखित मानदण्डों के आधार पर किया जाएगा:

- पाठ योजना
- विषय संबंधित दक्षताएं/विषय वस्तु दक्षता
- शिक्षक मार्गदर्शन/परामर्श
- पाठ एवं उसके प्रबंधन में शिक्षक प्रशिक्षु की भागीदारी
- शिक्षक प्रशिक्षु मूल्यांकन
- विद्यालय प्रमुख द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया का मूल्यांकन

पर्यवेक्षक - 120 अंक

परामर्शदाता - 80

कुल अंक - 200

शिक्षण अभ्यास के दौरान पाठ प्रदर्शन

विषय का नाम	**परामर्शदाता द्वारा मूल्यांकित किए जाने वाली पाठ योजनाओं (सामान्य पाठ योजनाएं) की संख्या**	**पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकत की जाने वाली पाठयोजनाओं की संख्या**		**कुल पाठ योजनाएं**
		सामान्य पाठ योजनाएं	**अन्तिम पाठ योजनाएं**	
भाषा	2	1	1	4
गणित	2	1	1	4
पर्यावरण अध्ययन	2	1	1	4
विज्ञान/सामाजिक अध्ययन	2	1	1	4
कुल	8	4	4	16

पर्यवेक्षक के द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया के मूल्यांकन की रिपोर्ट :

प्रशिक्षु का नाम : .....

नामांकन संख्या : .....

विद्यालय का नाम व पता : .....

प्रशिक्षु को निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर पांच बिंदु पैमाने की सहायता से रेटिंग किया जायेगा–

1. व्यक्तिगत विशेषताएं (समयबद्धता, प्रथम कार्यवाही, कक्षा प्रबंधन की क्षमता, विद्यालय स्टॉफ के साथ संबंध, सहयोगात्मकता, विद्यालय के विशेष कार्यक्रम में सहभागिता, सामुदायिक सेवा आदि।	5	4	3	2	1
2. सहः शैक्षणिक क्रियाकलापों में सहभागिता (सांस्कृतिक क्रियाकलाप, खेल, शैक्षणिक क्रियाकलाप जैसे विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/साहित्यिक मेला और क्लब क्रियाकलाप आदि।	5	4	3	2	1
3. विद्यालय के कार्य में सहभागिता (पाठ तैयार करना, कक्षा में अधिगम स्थितियों का सृजन करना)	5	4	3	2	1
4. शिक्षण अधिगम प्रक्रियाः (पाठ योजना तैयार करना, कक्षाकक्ष में अधिगम परिस्थितियाँ पैदा करना)	5	4	3	2	1
5. मौलिकता एवं नवीनता (गृह/दत्तकार्य की गलतियों को सुधारना, परीक्षण और रिपोर्ट लिखना, परिश्रमी, ईमानदारी और श्रेष्ठता।	5	4	3	2	1

120 में से कुल अंकः

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

D. विद्यार्थियों का मूल्यांकन

1. मूल्याकंन (सभी स्तरों पर अधिगम कठिनाइयों की पहचान करना, प्रत्येक शिक्षण बिंदु की समझ के लिए सुनिश्चितता, सम्पूर्ण उद्देश्यों की वास्तविकता के लिए सुनिश्चितता)	5	4	3	2	1
2. जांच करना (Follow Up) (दिये हुए उपयुक्त दत्तकार्य की जांच करना)	5	4	3	2	1

विद्यालय प्रमुख के द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया के मूल्यांकन की रिपोर्ट :

प्रशिक्षु का नाम : .....

नामांकन संख्या : .....

विद्यालय का नाम व पता : .....

प्रशिक्षु को निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर पांच बिंदु पैमाने की सहायता से रेटिंग किया जायेगा–

1. व्यक्तिगत विशेषताएं (समयबद्धता, प्रथम कार्यवाही, कक्षा प्रबंधन की क्षमता, विद्यालय स्टॉफ के साथ संबंध, सहयोगात्मकता, विद्यालय के विशेष कार्यक्रम में सहभागिता, सामुदायिक सेवा आदि।	5	4	3	2	1
2. सहः शैक्षणिक क्रियाकलापों में सहभागिता (सांस्कृतिक क्रियाकलाप, खेल, शैक्षणिक क्रियाकलाप जैसे विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/साहित्यिक मेला और क्लब क्रियाकलाप आदि।	5	4	3	2	1
3. विद्यालय के कार्य में सहभागिता (पाठ तैयार करना, कक्षा में अधिगम स्थितियों का सृजन करना)	5	4	3	2	1
4. शिक्षण अधिगम प्रक्रियाः (पाठ योजना तैयार करना कक्षा कक्ष में अधिगम परिस्थितियाँ पैदा करना)।	5	4	3	2	1
5. मौलिकता एवं नवीनता (गृह/दत्तकार्य की गलतियों को सुधारना, परीक्षण और रिपोर्ट लिखना, परिश्रमी, मौलिकता एवं नवीनता)।	5	4	3	2	1

80 में से कुल अंकः

विद्यालय प्रमुख हस्ताक्षर
कार्यालय मुहर के साथ

सेमीनार प्रस्तुतीकरण

शिक्षक प्रशिक्षु का प्रस्तुतीकरण कार्यशाला समन्वयक के द्वारा रेटिंग किया जायेगा।

प्रशिक्षु का नाम .....

नामांकन संख्या .....

प्रकरण/विषय वस्तु .....

प्रस्तुतीकरण का समय काल .....

	घटक	**रेटिंग**				
	(5–उत्कृष्ट, 4–बहुत अच्छा, 3–अच्छा, 2–औसत, 1–असंतोषजनक)					
–	शिक्षक प्रशिक्षु की तैयारी की अवस्था	5	4	3	2	1
–	पढ़ने का कौशल	5	4	3	2	1
–	शिक्षा के संबंधित मुद्दे से सेमीनार प्रकरण की उपयोगिता	5	4	3	2	1
	– आत्मविश्वास	5	4	3	2	1
	– तथ्यों की सटीकता	5	4	3	2	1
–	प्रस्तुतीकरण का संयोजन	5	4	3	2	1

10 में से कुल अंक

हस्ताक्षर

कार्यशाला समन्वयक संसाधन व्यक्ति या
उनके द्वारा नामित व्यक्ति नाम सहित